

PRESS RELEASE

For Immediate Use

**Hon'ble PM dedicates 7 projects and lays foundation stone
for 1 project of POWERGRID**

4th March 2024, Gurugram: Hon'ble Prime Minister inaugurated seven projects of Power Grid Corporation of India Limited (POWERGRID), a Maharatna Central Public Sector Enterprise under the Ministry of Power, Govt. of India, collectively representing a significant investment of approximately ₹4000 crore. Additionally, the Prime Minister also laid the foundation stone for one upcoming project, with an investment of around ₹3500 crore. These projects play a crucial role in strengthening the National Grid, aligning seamlessly with the Government of India's vision of "One Nation, One Grid, One Frequency" and ensuring uninterrupted 24x7 power to all.

Hon'ble Union Minister of Power, New and Renewable Energy, Shri R. K. Singh, interacted with POWERGRID officials at the Maharani Bagh Substation and witnessed the ceremony held at Adilabad, Telangana. He said, "In the last decade, India's power sector has undergone a remarkable transformation, spurring the nation's growth under Prime Minister Narendra Modi's leadership. Since 2014, many mega projects in generation, transmission and distribution have ensured power for all, to fulfil the aspirations of a rapidly growing nation."

Complimenting POWERGRID employees and the power sector CPSUs and stakeholders, he added that this growth has been possible because of their contribution. Highlighting the synergistic relationship between the growth of the power sector and of the economy, the Minister said that the nation has been able to grow as fast because of strengthening of the power sector. "In order to accommodate the substantial capacity addition, the Government of India planned and added 1,89,052 circuit kilometres (ckm) of transmission lines, between 2013-14 to 2022-23, connecting the whole country into one grid running on one frequency with the capability of transferring 1,16,540 MW from one corner of the country to another, also further integrating the whole country into one national market."

Inauguration of POWERGRID's 7 projects:

- Project Name:** Establishment of 220/66 kV GIS at UT Chandigarh along with 220 kV D/C line from Chandigarh GIS to 400/220 kV Panchkula (PG) substation.
Cost of the Project: ₹322 crore
Benefits of the Project: This facilitated Chandigarh to draw its share of power from Inter State Transmission System (ISTS) by establishing 2x160 MVA, 220/66 kV GIS substation at Chandigarh & 220 kV D/C line from Chandigarh to Panchkula (PG) substation thus providing reliable power supply to this area. It is a first Green Field Digital substation commissioned by POWERGRID.
- Project Name:** Northern Region System Strengthening Scheme - XXXV
Cost of the Project: ₹124 crore
Benefits of the Project: The implementation of 400 kV D/C Mohindergarh - Bhiwani line facilitated feeding power from Mohindergarh HVDC substation to Haryana and thus improved the reliability of power supply in the State and leading to strengthening of Northern Grid.
- Project Name:** Establish Transmission System for Construction of 765/400/220 kV GIS Substation, Rampur and 400/220/132 kV Substation, Sambhal Substation with associated transmission lines.
Cost of the Project: ₹1165 crore
Benefits of the Project: Implementation of 765/400/220 kV GIS substation at Rampur, 400/220/132 kV GIS

Substation at Sambhal and associated transmission lines has helped in reliable power supply in Central Western UP.

4. **Project Name:** Meerut Simbhavali Transmission Limited.

Cost of the Project: ₹1050 crore

Benefits of the Project: Implementation of 765/400/220 kV GIS substation at Meerut, 400/220/132 kV GIS Substation at Simbhavali and associated transmission lines has helped in meeting the present load requirements of Meerut and Simbhavali area and will also help to cater further load demands of area.

5. **Project Name:** Northern Region System Strengthening - XL

Cost of the Project: ₹360 crore

Benefits of the Project: With the commissioning of ICT at various substations of Northern region, the transformation capacity of the Northern Grid has been augmented by 3185 MVA thus providing reliable power supply to the region.

6. **Project Name:** System Strengthening Scheme in Northern Region – XXXVII

Cost of the Project: ₹380 crore

Benefits of the Project: The establishment of 400/220kV substation Jauljivi by LILO of Dhauliganga – Bareilly 400 kV D/C line has met the load demand in Jauljivi, Pithoragarh, Almora and other load centers of Kumaon region. This will also meet the future load demand & improve the reliability of power supply in Kumaon Region.

7. **Project Name:** North Eastern Region Strengthening Scheme – XII

Cost of the Project: ₹576 crore

Benefits of the Project: Re-conductoring of 132 kV S/c Dimapur–Imphal line, 132 kV S/c Loktak–Jiribam line, 220 kV D/C BTPS – Salakati line, 220 kV D/C Alipurduar–Salakati line and 400 kV D/C Siliguri – Bongaigaon line has increased the current carrying capacity of the transmission line thereby increasing the power availability, reliability and improving the power scenario in the states of Assam, Manipur, Nagaland and West Bengal.

Foundation stone laying of POWERGRID's project:

8. **Project Name:** Transmission System For Kurnool Wind Energy Zone / Solar Energy Zone (AP) Part A & Part-B

Cost of the Project: ₹3547 crore

Benefits of the Project: Establishment of 765/400/220 kV Kurnool-III (new) substation and implementation of 765 kV D/C Kurnool III (PS) - Kurnool (New) line & 765 kV D/C Kurnool III (PS) - Maheshwaram (PG) line under the scheme will facilitate immediate integration and evacuation of 4.5 GW Renewable generation capacity in Kurnool RE Zone to the other part of India through National Grid.

Issued by:

Team Corporate Communications
Follow us on twitter: @pgcilindia
www.powergrid.in
e-mail: powergrid.pr@powergrid.in

माननीय प्रधानमंत्री ने पावरग्रिड की 7 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और 1 परियोजना की आधारशिला रखी

4 मार्च 2024, गुरुग्राम: माननीय प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) की सात परियोजनाओं का उद्घाटन किया जो सामूहिक रूप से लगभग ₹4000 करोड़ के महत्वपूर्ण निवेश का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने लगभग ₹3500 करोड़ के निवेश के साथ एक आगामी परियोजना की आधारशिला भी रखी। यह परियोजनाएं राष्ट्रीय ग्रिड को मजबूत करने, भारत सरकार के "एक राष्ट्र, एक ग्रिड, एक आवृत्ति" के दृष्टिकोण के साथ सहजता से जुड़ने और सभी के लिए निर्बाध 24x7 बिजली सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

माननीय केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री आर. के. सिंह ने महारानी बाग उपकेंद्र में पावरग्रिड अधिकारियों के साथ बातचीत की और आदिलाबाद, तेलंगाना में आयोजित समारोह को देखा। उन्होंने कहा, "पिछले दशक में, भारत के बिजली क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, जिससे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास को गति मिली है। 2014 के बाद से, तेजी से बढ़ते राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, उत्पादन, पारेषण और वितरण में कई मेगा परियोजनाओं ने सभी के लिए बिजली सुनिश्चित की है।

पावरग्रिड कर्मचारियों तथा बिजली क्षेत्र के सीपीएसयू और हितधारकों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह वृद्धि उनके योगदान के कारण ही संभव हो पाई है। बिजली क्षेत्र और अर्थव्यवस्था के विकास के बीच सहक्रियात्मक संबंध पर प्रकाश डालते हुए, माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि बिजली क्षेत्र की मजबूती के कारण ही देश तेजी से विकास करने में सक्षम हुआ है। "पर्याप्त क्षमता वृद्धि को समायोजित करने के लिए, भारत सरकार ने 2013-14 से 2022-23 के बीच 1,89,052 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया और योजना बनाई जिससे पूरा राष्ट्र समान फ्रीक्वेंसी पर संचालित एक ग्रिड में बंध गया है और 1,16,540 मेगावाट बिजली को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक स्थानांतरित करने की क्षमता वाले राष्ट्रीय ग्रिड ने पूरे देश को एक राष्ट्रीय बाजार में एकीकृत कर दिया है।

पावरग्रिड की निम्नलिखित 7 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है :

1. परियोजना का नाम: यूटी चंडीगढ़ में 220/66 के.वी. जीआईएस की स्थापना, साथ ही चंडीगढ़ जीआईएस से 400/220 के.वी. पंचकुला (पीजी) सबस्टेशन तक 220 के.वी. डी/सी लाइन की स्थापना

परियोजना की लागत: ₹322 करोड़

परियोजना के लाभ: इससे चंडीगढ़ में 2x160 एमवीए, 220/66 के.वी. जीआईएस सबस्टेशन और चंडीगढ़ से पंचकुला (पीजी) सबस्टेशन तक 220 के.वी. डी/सी लाइन की स्थापना करके चंडीगढ़ को इंटर स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से बिजली का अपना हिस्सा प्राप्त करने में सुविधा हुई, जिससे इस क्षेत्र को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति प्रदान की जा रही है।

2. परियोजना का नाम: उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण योजना - XXXV

परियोजना की लागत: ₹124 करोड़

परियोजना के लाभ: 400 के.वी. डी/सी मोहिंदरगढ़-भिवानी लाइन के कार्यान्वयन से मोहिंदरगढ़ एचवीडीसी सबस्टेशन से हरियाणा को बिजली आपूर्ति की सुविधा मिली और इस प्रकार राज्य में बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार हुआ और उत्तरी ग्रिड मजबूत हुआ।

3. परियोजना का नाम: संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के साथ 765/400/220 के.वी. जीआईएस सबस्टेशन, रामपुर और 400/220/132 के.वी. सबस्टेशन, संभल के निर्माण के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम स्थापित करना

परियोजना की लागत: ₹1165 करोड़

परियोजना के लाभ: रामपुर में 765/400/220 के.वी. जीआईएस सब-स्टेशन, संभल में 400/220/132 के.वी. जीआईएस सब-स्टेशन और संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के कार्यान्वयन से मध्य पश्चिमी यूपी में विश्वसनीय बिजली आपूर्ति में मदद मिली है।

4. परियोजना का नाम: मेरठ सिम्भावली ट्रांसमिशन लिमिटेड

परियोजना की लागत: ₹1050 करोड़

परियोजना के लाभ: मेरठ में 765/400/220 के.वी. जीआईएस सब-स्टेशन, सिंभावली में 400/220/132 के.वी. जीआईएस सब-स्टेशन और संबंधित ट्रांसमिशन लाइनों के कार्यान्वयन से मेरठ और सिंभावली क्षेत्र की वर्तमान लोड आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली है और इससे क्षेत्र की अतिरिक्त लोड मांगों को भी पूरा करने में मदद मिलेगी।

5. परियोजना का नाम: उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढ़ीकरण - XL

परियोजना की लागत: ₹360 करोड़

परियोजना के लाभ: उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न सब-स्टेशनों पर आईसीटी के कमीशन होने से, उत्तरी ग्रिड की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता 3185 एमवीए तक बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति प्रदान की जा रही है।

6. परियोजना का नाम: उत्तरी क्षेत्र में सिस्टम सुदृढ़ीकरण योजना - XXXVII

परियोजना की लागत: ₹380 करोड़

परियोजना के लाभ: धौलीगंगा-बरेली 400 के.वी. डी/सी लाइन के लिलो द्वारा 400/220 के.वी. सब-स्टेशन जौलजीवी की स्थापना ने जौलजीवी, पिथौरागढ़, अल्मोडा और कुमाऊं क्षेत्र के अन्य लोड केंद्रों में लोड मांग को पूरा किया है। इससे कुमाऊं क्षेत्र की भविष्य की विद्युत की मांग भी पूरी होगी और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता में भी सुधार होगा।

7. परियोजना का नाम: उत्तर पूर्वी क्षेत्र सुदृढ़ीकरण योजना - XII

परियोजना की लागत: ₹576 करोड़

परियोजना के लाभ: 132 के.वी. एस/सी दीमापुर-इम्फाल लाइन, 132 के.वी. एस/सी लोकतक-जिरिबाम लाइन, 220 के.वी. डी/सी बीटीपीएस - सलाकाती लाइन, 220 के.वी. डी/सी अलीपुरद्वार-सलाकाती लाइन और 400 के.वी. डी/सी सिलीगुड़ी-बोंगाईगांव लाइन की रीकंडक्टिंग से ट्रांसमिशन लाइन की वर्तमान वहन क्षमता में वृद्धि हुई है जिससे असम, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में बिजली की उपलब्धता एवं विश्वसनीयता बढ़ी है और बिजली परिदृश्य में सुधार हुआ है।

पावरग्रिड की निम्नलिखित परियोजना का शिलान्यास किया गया :

8. परियोजना का नाम: करनूल पवन ऊर्जा क्षेत्र/सौर ऊर्जा क्षेत्र (आं. प्र.) भाग-ए और भाग-बी के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम

परियोजना की लागत: ₹3547 करोड़

परियोजना के लाभ: 765/400/220 के.वी. करनूल-III (नया) सब-स्टेशन की स्थापना और 765 के.वी. डी/सी करनूल-III (पीएस) - करनूल (नई) लाइन और 765 के.वी. डी/सी करनूल-III (पीएस) - महेश्वरम (पीजी) लाइन की स्थापना करनूल आर.ई. जोन के 4.5 गीगावॉट नवीकरणीय उत्पादन क्षमता की तत्काल निकासी और राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देश के अन्य भागों से उसका एकीकरण सुगम बनाएगा।

जारीकर्ता:

टीम केंद्रीय संचार

हमें ट्विटर पर फॉलो करें: @pgcilindia

www.powergrid.in

ई-मेल: powergrid.pr@powergrid.in